सूर्या फाउण्डेशन

आदर्श गाँव योजना

मासिक ई-पत्रिका अंक 16

SURYA FOUNDATION

चयनित आदर्श गाँव

सितंबर - 2021

> गाँव के विकास से भारत के विकास का मॉडल-यही उद्देश्य हमारे सामने है। हमारा विश्वास है - हम होंगे कामयाब।
>
> *- पद्मश्री जयप्रकाश*

sf10idealvillage

suryaadarshgaonyojna

suryafoundation1

surya_foundation

@suryafnd

suryafoundation

www.suryafoundation.org

मेरा गाँव – मेरा बड़ा परिवार

किसान गोष्ठी : नांदियाकला (राजस्थान)

सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत गाँव में विभिन्न प्रकार के आयाम जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, समरसता, स्वावलंबन व स्वरोजगार के दिशा मे काम कर रहा है। इतना ही नहीं कृषि और पशुपालन के क्षेत्र में भी संस्था किसानों को जागरुक करने का काम कर रही है। गाँव में प्रत्येक 6 माह के अंतराल पर किसान गोष्ठी का आयोजन किया जाता है। आज के समय में किसान ज्यादा से ज्यादा फसल लेने के लालच में बहुत अधिक रासायनिक खाद एवं कीटनाशनक दवाओं का प्रयोग कर रहे हैं। फलस्वरुप खेत बंजर होते जा रहे हैं। साथ ही रासायनिक खाद वाले अन्न खाकर लोग बीमार पड़ रहे हैं।

मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने एवं लोगों को बीमार होने से बचाने के लिए फाउण्डेशन द्वारा किसान गोष्ठी का आयोजन कर लोगों को जागरुक किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता श्री मांगीराम जी (क्षेत्रीय किसान सलाहकार) ने इस समस्या से छुटकारा पाने का विकल्प बताते हुए कहा कि किसानों को पुन: जैविक कृषि की तरफ लौटने की जरूरत है। यदि हम जैविक कृषि करते हैं, तो लागत कम और उपज अच्छी होती है।

पहले के किसान जैविक तरीके से ही खेती करते थे। भले कम अन्न उपजता था लेकिन वह पौष्टिक होता था। लोग बीमार नहीं होते थे। हमें अपने खेत को बंजर होने से बचाने के लिए पशु पालन को अपनाना पड़ेगा। कार्यक्रम में उपस्थित 27 किसानों ने अपने खेतों में रासायनिक खाद कम से कम उपयोग करने और जैविक तरीके से खेती करने का संकल्प लिया।

अन्य कार्य-

- **गणेश चतुर्थी का कार्यक्रम मनाया गया, जिसमें 37 लोग उपस्थित रहे।**
- **10 समूहों को मिलाकर एक ग्राम संगठन का निर्माण किया गया।**
- **स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत तालाब के किनारे, खेल का मैदान, गाँव की सड़कों की साफ-सफाई की गई।**
- **कोरोना वैक्सीनेशन हेतु कैम्प लगाकर 57 लोगों का वैक्सीनेशन कराया गया।**
- **सामाजिक सहयोग से धनवंतरी वाटिका हेतु 150 पौधों की व्यवस्था की गई।**

पशुओं के रख-रखाव हेतु गोष्ठी : नयागाँव (हरियाणा)

अन्य कार्य

- स्वच्छता अभियान में गांव के 30 कार्यकर्ताओं की मदद से शिव मंदिर, अंबेडकर भवन की साफ सफाई करवाई गई।
- 18 शिक्षकों की एक कक्षा एक पुस्तक कार्यशाला आयोजित की गई।
- स्वयं सहायता समूह के 50 सदस्यों को खाता खोलने पैसे निकालने व एटीएम का प्रयोग करने की जानकारी दी गई।

गाय की सेवा करो!
सेवा परमो धर्मः

सूर्या फाउण्डेशन - आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत चयनित गाँव नयागाँव में पशु चिकित्सा संबंधी शिविर गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें पशुपालन करने वाली 37 महिलाओं ने हिस्सा लिया। इस शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. जगजीत जाखड़ उपस्थित रहे। इस शिविर में पशुओं में होने वाली बीमारियों एवं उनके घरेलू उपचार के बारे में विस्तार से बताया गया। डॉ. जगजीत जाखड़ जी ने बताया कि जानवरों को कुछ समय के लिए खुला छोड़ना चाहिए, इससे वह स्वस्थ रहते हैं। जंगलों में जानवरों को घुमाने से हरी घास के रूप में वनस्पतियों का भोजन पशु स्वयं ग्रहण कर लेते हैं। जानवरों को तिल, कड़ी पत्ता, नीम का पत्ता आदि चीजें भी खिला सकते हैं। नीम के पत्ते खिलाने से पेट के कीटाणु समाप्त हो जाएंगे।

उपस्थित महिलाओं द्वारा पशुपालन में आने वाली समस्याओं जैसे चारा पानी, दूध में बढ़ोत्तरी एवं अनेक बीमारियों के बारे में प्रश्न किये गये। जिसका डॉ. जाखड़ जी ने संतोषजनक उत्तर देकर सरलता से मिलने वाले उपाय भी बताये। उपस्थित सभी महिलाओं ने डॉक्टर्स की टीम और सूर्या फाउण्डेशन की टीम को धन्यवाद दिया।

सरकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार : बसई का मंझरा (उत्तराखण्ड)

उधमसिंह नगर जिले के गाँव बसई का मंझरा में सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें ब्लॉक अधिकारी श्री हरेंद्र बिष्ट जी उपस्थित रहे। श्री हरेंद्र जी ने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ बच्चे, युवा, बुजुर्ग, महिलाओं सभी वर्गों के लोगों को मिलता है। सभी वर्गों के लिए आवश्यकतानुसार अलग-अलग सरकारी योजनाएं चलाई जाती हैं।

महिलाओं के स्वावलंबन के लिए स्वयं सहायता समूह के माध्यम से आजीविका मिशन के तहत विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिये जाते हैं, इसमें महिलायें प्रशिक्षण लेकर अपना स्वयं का रोजगार शुरु कर सकती हैं। छोटी बच्चियों के लिए सुकन्या समृद्धि योजना व लाडली लक्ष्मी योजना। युवाओं के लिए मुद्रा योजना, किसानों के लिए किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड योजना आदि के साथ-साथ वृद्धा पेंशन, प्रधानमंत्री आवास, आयुष्मान कार्ड योजना आदि प्रकार की योजनाओं का लाभ लिया जा सकता है।

हर योजना की कुछ शर्ते होती हैं, जो उन शर्तों को पूरा करता है, उसे लाभ जरूर मिलता है। हम लोगों को भी डिजिटल होने के साथ-साथ अग्रसर होने की जरूरत है। इससे हमें समय पर सभी योजनाओं की जानकारी मिलती रहेगी। राज्य सरकार की कुछ ऐसी योजनाये होती हैं, जिसका आप ब्लॉक में जाकर अधिकारियों से सम्पर्क करके ले सकते हैं। जैसे किसानों को सब्सिडी पर उन्नत किस्म के बीज, कृषि यंत्र, पौधे उपलब्ध कराना आदि। कार्यक्रम में महिलाओ सहित 50 किसानों ने हिस्सा लिया। जिसमे सभी को तीन प्रकार की सब्जियों के बीज भी नि:शुल्क वितरित किये गए।

अन्य कार्य

- स्वच्छता पखवाड़ा के तहत संस्कार केन्द्र के बच्चों के माध्यम से जागरुकता कार्यक्रम किया गया।
- शहीद भगतसिंह जयंती कार्यक्रम किया गया। जिसमे 32 लोग उपस्थित रहे।
- फिनाइल बनाने वाली महिलाओं की बैठक करके फिनाइल की मार्केटिंग करने हेतु चर्चा की गयी।

पशु टीकाकरण : नगलावर (मथुरा)

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना द्वारा चयनित गाँव नगलावर में पशु टीकाकरण कार्यक्रम किया गया, जिसमें पशुओं को मुँह पका, गला घोटू, थनैला, खुर पका आदि रोगों से बचने के लिए सूर्या फाउण्डेशन की टीम के सहयोग से पशु चिकित्सकों की टीम ने घर-घर जाकर टीका लगाने का काम किया। गाँव में घूम रहे आवारा पशुओं को भी टीका लगाया गया, जिससे अन्य पशुओं में आवारा पशुओं से बीमारी ना फैले।

उपस्थित डॉक्टर्स की टीम ने किसानों को बताया कि एक पशु के बीमार होने पर दूसरे पशुओं में हवा, पानी व चारे से बीमारियां फैल जाती हैं, जिससे पशुधन की हानि भी हो सकती है इसलिए समय-समय पर पशुओं का टीकाकरण करवाना बहुत आवश्यक है।

टीकाकरण करवाने से किसी भी पशु के दुग्ध उत्पादन पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता है। इससे पशु निरोगी रहते हैं। पशु निरोगी तो हम निरोगी। यदि हम बीमार पशुओं के दूध का सेवन करते हैं तो हम भी बीमार पड़ सकते हैं। इसलिए पशुओं को समय-समय पर नहलाना, उनके रहने के स्थान की साफ-सफाई नियमित हो, उपयुक्त चारा-पानी आदि का पशुओं पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इस दौरान नगलावर गाँव के 35 पशुपालक परिवारों के 52 पशुओं का टीकाकरण करवाया गया।

अन्य कार्य -

- डेंगू व मलेरिया की रोकथाम हेतु दवा का छिड़काव करवाया गया।
- गाँव के युवाओं, महिलाओं एवं संस्कार केंद्र के बच्चों द्वारा स्वच्छता जागरुकता अभियान चलाया गया।
- फाउण्डेशन द्वारा 5 ट्री-गार्ड लगाए गए।
- शिक्षक दिवस कार्यक्रम मनाया गया।

शिक्षक दिवस पर शिक्षकों का सम्मान : पेण्ड्री (छ.)

श्री सतगुरु कबीर सत्संग सेवायोग आश्रम समिति एवं सूर्या फाउण्डेशन के तत्वावधान में गाँव पेण्ड्री, (छत्तीसगढ़) में शिक्षक दिवस पर शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम किया गया, जिसमें 31 शिक्षकों का परमपूज्य श्री लेखचंद साहेब जी के कर कमलों द्वारा सम्मान पत्र, अंग वस्त्र, डायरी, पेन, श्रीफल और पुष्प माला के साथ सम्मान किया गया।

वही इस अवसर पर परमपूज्य श्री लेखचंद साहेब जी ने कहा कि शिक्षक का महत्व हमारे माता-पिता एवं स्वयं से भी ज्यादा होता है। शिक्षक का पूरा जीवन स्वयं की साधना, संस्कार, समरसता, सेवा, सरलता, सादगी, सहजता, व्यवहार जैसी विभिन्न साधनाओं को साधने में गुजर जाता है। स्वयं के चरित्र के साथ-साथ विद्यार्थियों का चरित्र कैसे सुरक्षित एवं उज्जवल हो, इसके लिए सदैव शिक्षक प्रयासरत रहता है। शिक्षक कभी भी सेवा निवृत्त नहीं होता, वह हर समय और हर क्षण किसी ना किसी रूप में समाज और परिवार को शिक्षित करने का कार्य करता रहता है।

सामान्य से दिखने वाले शिक्षक अपने विद्यार्थियों को गढ़कर एक असामान्य व्यक्ति बना देते हैं, जो कहीं न कहीं समाज व देश के लिए महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इसलिए आज समाज और विद्यार्थियों को प्रत्येक शिक्षक का सम्मान अवश्य करना चाहिए। इस अवसर पर श्री फलेश साहू जी (आश्रम अध्यक्ष), श्री योगदास साहू जी (प्रबंधक), श्री सेवादास जी (महंत) सहित समस्त शिक्षकगण एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

अन्य कार्य-

- राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा एवं विकास बोर्ड श्रम व रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 40 बहनों का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर लगाया गया।
- स्वच्छता महाअभियान के तहत गाँव के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर 18 डस्टबिन लगवाए गए।
- सामूहिक सहयोग से स्कूल एवं आश्रम परिसर में सोलर लाइट चलित 2000 ली. की पानी टंकी लगवाई गई।

स्वयं सहायता समूह का गठन : लोनाँव (गोरखपुर)

सूर्या फाउण्डेशन – आदर्श गाँव योजना द्वारा चयनित गाँव लोनाँव (गोरखपुर) में सूर्या संस्कार केन्द्र, यूथ क्लब, सिलाई केन्द्र एवं स्वयं सहायता समूह का संचालन किया जाता है। महिला स्वावलंबन एवं रोजगार को देखते हुए गाँव में दो स्वयं सहायता समूह हैं, जिसमें 30 महिलाएं जुड़ी हुई हैं। रोजगार की दृष्टि से देखा जाए तो वर्तमान समय में महिलायें समूह से पैसा लेकर गाय पालन, बकरी पालन आदि का रोजगार कर रही हैं। सभी महिलाएँ अपना खर्चा स्वयं उठाने के साथ-साथ परिवार में भी आर्थिक मदद करती हैं।

स्वयं सहायता समूह के द्वारा महिलाओं के बढ़ते स्वरोजगार को देखते हुए आजीविका मिशन के तहत नये समूह माँ बिंदेश्वरी स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया। जिसमें 12 महिलाओं को जोड़ा गया है। इस समूह का खाता खोलकर ब्लॉक में पंजीकरण किया जा चुका है। आगामी दिनों में स्वालंबन से जुड़ी सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जायेगा। सूर्या फाउडेशन एवं सरकारी योजनाओं के अंतर्गत चलाये जा रहे कुटीर उद्योग के प्रशिक्षण में सभी महिलाओं को जोड़ा जायेगा। समूह के गठन प्रक्रिया के पश्चात् महिलाओं को स्वच्छता अभियान के अंतर्गत ग्राम प्रधान जी के सहयोग से डस्टबिन का वितरण किया गया।

अन्य कार्य –

- समूह की 10 महिलाओं का जीवन बीमा कराया गया।
- गांव की गलियों एवं नालियों में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया गया।
- शीतला माता मंदिर के पास स्वच्छता अभियान चलाकर आसपास साफ सफाई किया गया।
- संस्कार केन्द्र पर बच्चों द्वारा शिक्षक दिवस मनाया गया।

ग्राम विकास समिति का हुआ गठन : सलोई (म.प्र.)

किसी भी गाँव का विकास उस गाँव के लोगों द्वारा ही सम्भव है, इसके लिए लोगों में **मेरा गाँव-मेरा तीर्थ** का भाव होना चाहिए। सूर्या फाउण्डेशन द्वारा गाँवों मे अनेक प्रकल्प तो चलाये ही जा रहे हैं, साथ ही ग्राम-समिति के गठन का कार्य भी तीव्र गति से चल रहा है। इस विषय को ध्यान में रखते हुए फाण्डेशन द्वारा गाँव के प्रबुद्धजनों के साथ मिलकर गाँव में ग्राम समितियों का गठन किया जा रहा है, इसमें आदर्श गाँव की मूलभूत सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए शिक्षा प्रमुख, स्वास्थ्य प्रमुख, युवा प्रमुख, महिला प्रमुख, जन-जागरण प्रमुख आदि समितियों का गठन उससे सबंधित व्यक्तियों को जोड़ते हुए किया जा रहा है।

संस्था का प्रयास है कि हर गाँव में उसी गाँव के वरिष्ठ सेवाभावियों को जोड़ कर समिति का गठन किया जाये, जो गाँव के विकास के लिए गाँव की व गाँव के लोगों की समस्याओं पर विचार कर उनके निवारण के लिए यथा संभव पूरा प्रयास करे।

गाँव सलोई (म.प्र.) में ग्राम समिति के गठन हेतु श्री गजानन जी (सूर्या फाउण्डेशन) का प्रवास हुआ। उन्होंने गाँव में सात सदस्यीय समिति का गठन किया, जिसमें समिति प्रमुख- श्री रामकृष्ण जी, शिक्षा प्रमुख- श्री देवेंद्र सिंह जी, कृषि प्रमुख- श्री मोतीलाल जी, युवा प्रमुख- श्री प्रमोद जी, महिला प्रमुख- श्रीमती अंगूरीबाई एवं स्वास्थ्य प्रमुख- श्री सुरेंद्र जी ने जिम्मेदारी ली। गजानन जी द्वारा समिति के सभी सदस्यों को समिति के महत्व और संचालन करने की प्रक्रिया बताई। यह समिति गाँव सलोई में अपने गाँव को आदर्श गाँव बनाने की दिशा में कार्य करेगी।

अन्य कार्य-

- सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई की गयी।
- युवाओं ने 12 बुजुर्गों के परिवारों में जाकर उनका सम्मान किया।
- किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें 40 किसानों को लाभ मिला।

स्वरोजगार हेतु महिलाओं का प्रशिक्षण : मूण्डला (म.प्र.)

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसमें हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण, गौ उत्पाद प्रशिक्षण, सिलाई प्रशिक्षण आदि प्रमुख हैं। गाँव मूण्डला में दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें गाँव की 20 माताओं-बहनों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण में बहनों को टोमेटो सॉस, केक, अचार, मिठाईयाँ आदि बनाना सिखाया गया।

प्रशिक्षिका श्रीमती गायत्री सोनी जी ने बहनों को प्रशिक्षण दिया। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण में बहनों ने पूरी लगन से प्रशिक्षण को पूरा किया। प्रशिक्षण के दौरान बनाए गए उत्पादों को उपस्थित सदस्यों के परिवार में उपयोग हेतु वितरण भी किया गया।

श्रीमती गायत्री सोनी ने बताया कि अपने घर पर ही रहकर रोजगार करने के अपार संसाधन है। हम सब अलग-अलग प्रकार के अचार, मिठाइयाँ, केक आदि चीजें बनाकर घर बैठे ही रोजगार शुरू कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण के साथ-साथ इस गाँव की बहनों ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अधिकारियों से मिलकर शोरूमों में उत्पादों का सैंपल भेजकर मार्केटिंग की योजना बनाई है।

प्रशिक्षण के उपरांत महिलाएँ उत्पाद बनाकर अपने काम को आगे बढ़ा सकें तथा स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना ही सूर्या फाउण्डेशन का उद्देश्य है।

अन्य कार्य

- युवा और बच्चों द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया।
- महिला स्वयं सहायता समूह की तीन महिलाओं द्वारा बड़ी, पापड़ बनाने का कार्य शुरू किया गया है।
- सार्वजनिक सहयोग से गाँव के शमशान घाट में 30 पौधे लगाए गए।

तालाब सफाई एवं सोलर लाईट : कादीपुर (काशी)

काशी क्षेत्र के चयनित आदर्श गाँव कादीपुर के मध्य स्थित तालाब में बहुत दिनों से कूड़ा-कचरा फेंकने के कारण वहाँ पर गंदगी का भंडार लगा गया था। पूरा गाँव उस तालाब की गंदगी से परेशान था। उसका पानी भी किसी के उपयोग हेतु नहीं था। इसके समाधान के लिए सूर्या फाउण्डेशन की टीम एवं गाँव के समाजसेवी कार्यकर्ताओं ने पंचायत के माध्यम से तालाब की सफाई करने का निर्णय लिया।

ग्राम पंचायत के सहयोग से सेवाभावी कार्यकर्ताओं एवं सूर्या फाउण्डेशन की टीम ने मिलकर तालाब की साफ-सफाई की। तालाब साफ होने से तालाब का पानी धीरे-धीरे साफ होने लगा है। आने वाले समय में तालाब का पानी ग्रामीणों द्वारा उपयोग में लिया जाएगा। तालाब की साफ सफाई होने से वहाँ की दुर्गंध भी दूर हो गई है। लोग सुबह तालाब के किनारे टहलने, योग करने के लिए जाते हैं।

''गाँव में सूरज ढलते ही गलियों में अंधेरा छा जाता था। इसके समाधान के लिए गाँव के युवाओं के सहयोग से गाँव के चौराहे पर एक सोलर लाइट की व्यवस्था की गई। इस सोलर लाइट के लगने से लोगों के अंधेरे में आवागमन की दिक्कत दूर हो गयी है। इस कार्य के लिए ग्रामीणों ने युवाओं की खूब प्रशंसा की।''

अन्य कार्य-

- स्वच्छता अभियान रैली।
- पंडित दीनदयाल जयंती।
- 26 महिलाओं द्वारा सामूहिक भजन-कीर्तन कार्यक्रम।
- चौरा माता परिसर की साफ-सफाई।

गृहणियों को कूड़ादान वितरण : फफूण्डा (मेरठ)

गाँव, समाज और देश में स्वच्छता को जीवनशैली का अंग बनाने के लिये हमें साफ-सफाई को अपने जीवन में अपनाना बहुत जरूरी है। यह हमारे जीवन की प्राथमिकता भी है। 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले स्वच्छता पखवाड़े के तहत सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत मेरठ क्षेत्र में स्वच्छता के प्रति जागरुकता लाने के लिए समुदायिक स्तर पर कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गये। इसी क्रम में चयनित आदर्श गाँव फफूण्डा में संस्कार केन्द्र के भैया बहनों, यूथ क्लब के युवाओं, सेवाभावियों एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा स्वच्छता जागरुकता रैली, गोष्ठी, संकल्प व घर घर जाकर ठोस व तरल कचरे का उचित तरीके से प्रबंधन करने के बारे में बाताया गया।

इस अभियान में सामूहिक श्रमदान करके गाँव की गलियों एवं नालियों की सफाई करके गाँव को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया है। स्वच्छता व्यवहार में बदलाव लाने के लिए दो स्वयं सहायता समूह की 25 माताओं को सूर्या फाउण्डेशन द्वारा कूड़ेदान वितरित किए गए।

आदर्श गाँव की विशेषताएँ

उन्नत कृषि व्यवस्था- जैविक व उन्नत बीजों का उपयोग। सिंचाई की आधुनिक सुविधा। उपज के भण्डारण एवं बिक्री की उपयुक्त व्यवस्था होनी चाहिए।

आवासीय सुविधा- गाँव में मकान कच्चे या पक्के हों लेकिन साफ-सुथरे होने चाहिए। साथ ही घर में स्नानगृह, शौचालय आदि की उचित व्यवस्था होनी चाहिए।

पेयजल व्यवस्था- पेयजल के लिए कुएँ, नल आदि की उचित व्यवस्था हो, पेय जल दूषित न हो इसकी व्यवस्था हो।

स्वास्थ्य संबंधी सुविधा- गाँव में प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र व चिकित्सक की व्यवस्था होनी चाहिए। आवश्यकतानुसार दवाइयों का प्रबन्ध भी होना चाहिए।

शिक्षा व्यवस्था- गाँव के भैया एवं बहनों को शिक्षा देने के लिए विद्यालय होना चाहिए। बुजुर्गों को साक्षर बनाने के लिए प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र भी होना चाहिए।

परिवहन सुविधा- गाँव में परिवहन की उचित व्यवस्था हेतु सड़कें होनी चाहिए, जिससे गाँव आस-पास के गाँवों, कस्बों एवं जिला मुख्यालय से जुड़ सकें।

संचार सुविधा- संचार साधनों की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। टेलीफोन, डाकघर तथा इण्टरनेट सुविधाएँ आदि।

ऊर्जा, पर्यावरण व जागरूकता- ऊर्जा हेतु बिजली की व्यवस्था होनी चाहिए। सम्भव हो तो वैकल्पिक ऊर्जा का भी प्रयोग किया जाय। ग्रामवासियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता होनी चाहिए। सरपंच गाँव के विकास के प्रति जागरुक एवं सक्रिय होने चाहिए

औद्योगिक विकास- गाँव में कृषि आधारित उद्योगों का विकास होना चाहिए। ग्राम में कुटीर उद्योगों का विकास हो।

वित्तीय सुविधा- गाँव में बैंक, CSC आदि की सुविधा होनी चाहिए जिससे ग्रामवासियों को वित्तीय सुविधाएँ मिल सकें।

समरसता- समरसता के लिए गाँवों में ग्राम गौरव मेला, एकता दौड़, सामूहिक श्रमदान, भजन-कीर्तन आदि अनेक कार्यक्रम।

स्वावलंबन- गाँव के लोग आत्मनिर्भर बनें, हर हाथ को काम हो, इसके लिए स्वयं सहायता समूह, सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र व हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण, जैविक खेती, गौपालन आदि प्रकल्प।

समाचार पत्रों में चयनित आदर्श गाँव की झलकियाँ

उत्कृष्ट कार्य के लिए 31 शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का किया सम्मान

रिपोर्ट-हरदीप छबड़ा,

राजनांदगांव(अमर स्तंभ)-श्री सतगुरु कबीर सत्संग सेवायोग आश्रम समिति एवं सूर्या फाउंडेशन के तत्वधान में कबीर आश्रम आदर्श ग्राम पेंडरी सुकूलदैहान राजनांदगांव छत्तीसगढ़ में अध्यात्मिक दिव्य सत्संग-भजन एवं संगोष्ठी आयोजन के साथ शिक्षक दिवस 2021 पर ब्लॉक स्तरीय उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों का सम्मान समारोह किया गया जिसमें 31 शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को सम्मान प्रशस्ति पत्र, अंग वस्त्र, डायरी, पेन, श्रीफल, और पुष्प माला के साथ परम पूज्य महात्मा लेखचंद साहेब के शुभ कर कलमो द्वारा सम्मान किया गया, वही युवा शक्ति सेवा संगठन की ओर से आदर्श गांव पेंड़ी की 3 पीढ़ियों को पढ़ाने वाले सबसे सीनियर शिक्षक कृष्ण कन्हैया दास वैष्णव का जन्म उत्सव समस्त शिक्षकों के बीच केक, मिठाई एवं आरती थाल के साथ समस्त विद्यार्थी एवं ग्रामीण जनों की उपस्थिति में बड़े ही हर्षोल्लास से जन्म उत्सव मनाया गया, वही इस अवसर पर परम पूज्य महात्मा श्री लेखचंद साहेब जी, ने कहा कि हमारे जीवन में शिक्षक का महत्व हमारे माता-पिता एवं स्वयं से भी ज्यादा होता है, कुछ समय पहले समाज एवं प्रशासन द्वारा शिक्षाकर्मी का नाम दिया गया जोकि गुरु और भगवान रूपी शिक्षक के लिए अपमान के रूप में है, शिक्षक का पूरा जीवन स्वयं की साधना, संस्कार, समरसता, सेवा, सरलता, सादगी, सहेजता, व्यवहार, जैसी विभिन्न साधना ओं को साधने में गुजर जाता है, स्वयं के चरित्र के साथ विद्यार्थियों का अभी चरित्र कैसे सुरक्षित एवं उन्जवल हो उसके लिए सदैव उसका प्रयास रहता है, शिक्षक कभी भी सेवा निर्मित नहीं होता वह हमेशा हर समय और हर क्षण किसी ना किसी रूप में समाज और परिवार को शिक्षित करने का कार्य करता रहता है।

मां के जन्म देने के पश्चात इस संसार रूपी मायाजाल का अगर कोई बोध कराता है तो वह शिक्षक है, और यही नहीं इन्हीं शिक्षा से हम सभी और आने वाली पीढ़ी का भविष्य निर्धारित होता है हमारी पुरखों की धरोहर देश का इतिहास स्वयं की संस्कृति हमारे धर्म के संस्कार जैसे विभिन्न विषयों की संपूर्ण ज्ञान का बोध भी इन शिक्षकों से ही होता है यह सामान्य दिखने वाले शिक्षक गण अपनी विद्यार्थियों को गढ़ कर सूक्ष्म ऐसे विद्यार्थियों को असामान्य बना देते हैं इसलिए आज की समाज और विद्यार्थियों को अपने जीवन में होने वाले प्रत्येक शिक्षक का सम्मान अवश्य करना चाहिए और उनका स्मरण कर ही जीवन को कार्यरत करें। जिसने हेमंत साहू डोंगरगढ़, मंथीर साहू डोंगरगढ़, हेमंत साहू बोदेला, मानस दास साहू खैरागढ़, कृष्ण कन्हैया दास वैष्णव लिटिया, छबू लाल साहू सुखरी, लूनकरण वर्मा कसारी, बिसालिक साहू ढाबा, लेखराम साहू बजरंगपुर नवागांव, जैतराम ठाकुर रामपुर, हंसराज साहू डोंगरगढ़, योधन दास साहू अछोली, लालचंद सिन्हा खैरा, परमानंद साहू खपरीकला, भोजराम साहू जी मोहड़, फलेश कुमार साहू पेंडरी, श्रीमती सुजाता साहू डोंगरगढ़, श्रीमती खेमिन साहू अछोली, श्रीमती नीतू वर्मा बोदेला, सुश्री रेणु साहू राजनादगांव, कमल साहू मोतीपुर, सूरज साहू सूर्या यूथ क्लब केंद्र शिक्षक पेंडरी, हीरेंद्र साहू सूर्या संस्कार केंद्र शिक्षक पेंडरी, सहित 31 शिक्षकों का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर कबीर आश्रम पेंड़ी अध्यक्ष फलेश कुमार साहू , प्रबंधक योग दास साहू , महंत सेवादास, संगठन अध्यक्ष दुर्गेश साहू , चातुमार्स आयोजक समिति के संरक्षक गुलाब वर्मा , आदर्श गांव प्रमुख राजेंद्र हिंदुस्तानी, सहित समस्त शिक्षक गण एवं के साथ समस्त ग्रामीण जन और श्रद्धालु गण उपस्थित रहे।

ग्रामीणों को बताए पशुओं को स्वस्थ रखने के गुर

बहादुरगढ़। सूर्या फाउंडेशन की ओर से संचालित आदर्श गांव योजना के तहत सोमवार को आदर्श गांव नयागांव में पशु चिकित्सा जागरूकता के लिए शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर जगजीत जाखड़ और सूर्या फाउंडेशन से सेवा प्रमुख अभिषेक उपाध्याय उपस्थित रहे। कार्यक्रम में गांव की महिलाओं ने भी भाग लिया। उन्हें पशुओं को स्वस्थ रखने के लिए उपयोगी जानकारी दी गई। जाखड़ ने बताया कि जानवरों को कुछ समय के लिए खुला छोड़ देना चाहिए जिससे वह हरी घास, पत्ते इत्यादि चीजें खा सकें और घूम सकें। जानवरों को हम तिल खाने के लिए दे सकते हैं उससे उन्हें बहुत फायदा होगा। साथ ही जानवरों को हम कढ़ी पत्ता इत्यादि चीजें भी दे सकते हैं। नीम के पत्ते से पशुओं के पेट में कीटाणु समाप्त हो जाएंगे। नीम का पत्ता नियमित देना चाहिए। जाखड़ ने कहा कि पशु जब बच्चा दे उसके बाद उन्हें मीठा देना चाहिए। मीठे में हम गुड़ का प्रयोग कर सकते हैं। जिससे उन्हें ताकत मिलेगी। कभी-कभी पशुओं का दूध ताजा पीकर देखना चाहिए कि खारा तो नहीं है। अगर दूध खारा आ रहा है तो पशु की जांच करवानी चाहिए।